NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

DAINIK BHASKAR, Surat, 20.5.2023
Page No. 2, Size:(14.70)cms X (8.00)cms.

सूरत बुलेट ट्रेन: सीधे और घुमावदार 20 मीटर ट्रैक के लिए 1000 भारतीय इंजीनियरों को 20 जापानी विशेषज्ञ कर रहे प्रशिक्षित

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर में हाई-स्पीड रेल ट्रैक सिस्टम के लिए एचएसआर ट्रैक बेड निर्माण का प्रशिक्षण शुरू हो गया है। मुंबई-अहमदाबाद एचएसआर कॉरिडोर (एमएएचएसआर) के टी-2 पैकेज के लिए भारतीय इंजीनियरों और वर्क लीडर्स के लिए हाई-स्पीड रेल ट्रैक सिस्टम के प्रशिक्षण में वापी और वडोदरा के बीच 237 किमी ट्रैक शामिल है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 1,000 इंजीनियरों को 20 जापानी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में व्यापक प्रशिक्षण और प्रमाणन प्राप्त होगा, जो उनके कौशल को प्रमाणित भी करेंगे। टी-2 पैकेज के इंजीनियरों के पहले बैच को रेनफोर्स्ड कंक्रीट (आरसी) एचएसआर ट्रैक बेड निर्माण पर हाई स्पीड रेल ट्रैक के दूसरे मॉड्यूल पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह ट्रेनिंग सूरत के नियोल में बन रहे बुलेट ट्रेन रोलिंग स्टॉक डिपो में दी जा रही है। भारतीय प्रशिक्षुओं को जापानी विशेषज्ञ सीधे और घुमावदार सेक्शन के लिए 20 मीटर लंबे आरसी बेड पर काम करके एचएसआर ट्रैक बेड निर्माण करना सिखा रहे हैं।

15 पाठ्यक्रम शामिल

ट्रैक कार्य के सभी पहलुओं को कवर करने वाले 15 विभिन्न पाठ्यक्रम शामिल किए गए हैं। इसमें साइट प्रबंधकों के लिए प्रशिक्षण, ट्रैक स्लैब निर्माण, आरसी ट्रैक बेड निर्माण, रिफरेंस पिन सर्वे और डेटा विश्लेषण, स्लैब ट्रैक इंस्टालेशन, सीएएम इंस्टालेशन, रेल वेल्ड फिनिशिंग, रेलों की एनक्लोज्ड आर्क वेल्डिंग और टर्नआउट इंस्टालेशन आदि शामिल हैं।

RAJASTHAN PATRIKA, Ahmedabad, 20.5.2023
Page No. 4, Size:(11.56)cms X (7.83)cms.

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड बुलेट ट्रेन

वापी-वडोदरा के बीच 237 किमी की दूरी के लिए ट्रैक बेड सिस्टम का प्रशिक्षण शुरू

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन यानी हाई स्पीड रेल (एचएसआर) कॉरिडोर (एमएएचएसआर) के टी-2 पैकेज के तहत वापी और वडोदरा के बीच 237 किमी की दूरी के लिए भारतीय इंजीनियरों और वर्क लीडर्स के लिए हाई-स्पीड रेल ट्रैक बेड सिस्टम का प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया है।

टी-2 पैकेज के इंजीनियरों के पहले बैच को रेनफोर्सड कंक्रीट (आरसी) एचएसआर ट्रैक बेड निर्माण पर हाई स्पीड रेल ट्रैक के दूसरे मॉड्यूल पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भारतीय प्रशिक्षु जापानी विशेषज्ञों से सीधे और घुमावदार सेक्शन के लिए 20 मीटर लंबे आरसी बेड पर काम करके एचएसआर ट्रैक बेड निर्माण सीख रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ट्रैक कार्य के सभी पहलुओं को कवर करने वाले 15 विभिन्न पाठ्यक्रम शामिल किए गए हैं। इनमें साइट प्रबंधकों के लिए प्रशिक्षण, ट्रैक स्लैब निर्माण, आरसी ट्रैक बेड निर्माण, रिफरेन्स पिन सर्वे तथा डेटा विश्लेषण, स्लैब ट्रैक इंस्टालेशन, सीएएम इंस्टालेशन, रेल वेल्ड फिनिशिंग, रेलों की एनक्लोज्ड आर्क वेल्डिंग और टर्नआउट इंस्टालेशन आदि शामिल हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 1,000 इंजीनियरों को 20 जापानी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में व्यापक प्रशिक्षण और प्रमाणन प्राप्त होगा, जो उनके कौशल को प्रमाणित भी करेंगे।

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 20.5.2023
Page No. 4, Size:(11.64)cms X (9.18)cms.

वापी और वडोदरा के बीच ट्रैक बिछाने के लिए एक हजार इंजीनियर हो रहे हैं तैयार

हाई-स्पीड रेल ट्रैक सिस्टम के लिए एचएसआर ट्रैक बेड निर्माण प्रशिक्षण शुरू

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंजीनियरों को ट्रैक बेड निर्माण प्रशिक्षण शुरू

सूरत. मुंबई-अहमदाबाद एचएसआर कॉरिडोर (एमएएचएसआर) के टी-2 पैकेज जिसमें वापी और वडोदरा के बीच 237 किमी की दूरी शामिल है, उसके लिए भारतीय इंजीनियरों और वर्क लीडर्स के लिए हाई-स्पीड रेल ट्रैक सिस्टम का प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया है। टी-2 पैकेज के इंजीनियरों के पहले बैच को रेनफोर्सड कंक्रीट (आरसी) एचएसआर ट्रैक बेड निर्माण पर हाई स्पीड रेल ट्रैक के दूसरे मॉड्यूल पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

भारतीय प्रशिक्षु जापानी विशेषज्ञों से सीधे और घुमावदार सेक्शन के लिए 20 मीटर लंबे आरसी बेड पर काम करके एचएसआर ट्रैक बेड निर्माण सीख रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ट्रैक कार्य के सभी पहलुओं को कवर करने वाले 15 विभिन्न पाठ्यक्रम शामिल किए गए हैं। इसमें साइट प्रबंधकों के लिए प्रशिक्षण, ट्रैक स्लैब निर्माण, आरसी ट्रैक बेड निर्माण, रिफरेन्स पिन सर्वे तथा डेटा विश्लेषण, स्लैब ट्रैक इंस्टालेशन, सीएएम इंस्टालेशन, रेल वेल्ड फिनिशिंग, रेलों की एनक्लोज्ड आर्क वेल्डिंग और टर्नआउट इंस्टालेशन आदि शामिल हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 1,000 इंजीनियरों को 20 जापानी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में व्यापक प्रशिक्षण और प्रमाणन प्राप्त होगा जो उनके कौशल को प्रमाणित भी करेंगे। गौरतलब है कि, नेशनल हाई स्पीड रेल कोरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के सूरत कार्यालय में ''कंक्रीट संरचनाओं की गुणवत्ता नियंत्रण और संपत्तियों की स्थायित्व प्राप्त करने'' के लिए 11 मई को एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया था। इसमें जापानी और भारतीय विशेषज्ञों द्वारा कंक्रीट संरचनाओं के गुणवत्ता नियंत्रण पर विचारों का आदान प्रदान किया। वर्कशॉप का आयोजन एशियन डेवलपमेंट बैंक इंस्टिट्यूट (एडीबीआई), टोक्यो, जापान रेलवे टेक्निकल सर्विस (जेएआरटीएस), एनएचएसआरसीएल एवं जापान इंटरनेशनल कोपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) द्वारा किया गया था।